मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 63 ■ शुक्रवार, 16 मई 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

जल्द होंगे मनपा चुनाव

देवेंद्र फडणवीस ने स्थानीय स्वराज संस्था के चुनाव को लेकर दिया अपडेट

■ चुनाव आयोग की तैयारियां भी शुरू

उल्हासनगर. पिछले कुछ वर्षों से रुके पड़े मनपा चुनावों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि राज्य चुनाव आयोग चार सप्ताह के भीतर चुनाव अधिसूचना जारी करे और चार महीने के भीतर चुनाव प्रक्रिया पूरी करे। इसलिए हर किसी को इस बात की उत्सुकता है कि ये चुनाव कब होंगे।

इस पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। फडणवीस ने मीडिया से बातचीत करते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। इस अवसर पर उनसे स्थानीय निकाय चुनावों के बारे में भी प्रश्न पूछे गए।

इस संबंध में बोलते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा, हम चाहते हैं कि स्थानीय निकाय चुनाव समय पर पूरे हो जाएं। चुनाव आयोग ने इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। लेकिन फिलहाल बारिश का मौसम है। हमारी मांग है कि जहां भारी बारिश हो रही है, वहां अतिरिक्त समय दिया जाए।

आगे बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे स्थानीय निकाय चुनाव एक महागठबंधन के रूप में लड़ेंगे। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास आगामी चुनाव एक महागठबंधन के रूप में लड़ने का है। हालांकि, कुछ अपवादात्मक जगहों पर हम अलग-अलग भी लड़ सकते हैं। क्योंकि यह चुनाव कार्यकर्ताओं का है। इसलिए जहां गठबंधन संभव नहीं है, वहां हम अलग-अलग लड़ेंगे। ऐसी जगहों पर हम एक-दूसरे की आलोचना किए बिना सकारात्मक तरीके से लड़ने की कोशिश करेंगे।

उल्हासनगर में दर्दनाक घटना

परिवार खत्म — पत्नी और बेटी की हत्या के बाद खुद भी लगा ली फांसी

■ उल्हासनगर-1 झूलेलाल मंदिर परिसर की घटना

■ घटना से परिवार में सनसनी

■ आर्थिक तंगी के चलते पवन पाहुजा ने की हत्या व आत्महत्या

■ उल्हासनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज

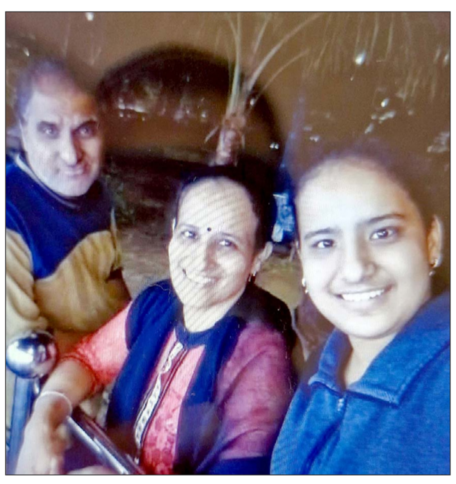

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में एक दर्दनाक घटना घटी है. बेवस चौक के पास आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली. उल्हासनगर-1 स्थित बेवस चौक निवासी पवन पाहुजा ने बुधवार आधी रात को अपनी पत्नी और बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले उसने आर्थिक तंगी के कारण अपनी जीवन लीला समाप्त करने का एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था। उल्हासनगर पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

पवन पाहुजा अपनी पत्नी नेहा पाहुजा और 16 वर्षीय बेटी रोशनी पाहुजा के साथ उल्हासनगर कैंप 1 झूलेलाल मंदिर रोड के पास हर्ष कॉटेज बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर रह रहे थे। पवन कुछ समय से आर्थिक संकट में थे. इसलिए वह परेशान थे. इसके अलावा, छह महीने पहले, उनके छोटे बेटे की मृत्यु हो गई थी।

■ बच्चे की मौत से मानसिक आघात

कुछ महीने पहले अपने छोटे बच्चों की मौत से वे स्तब्ध थे। लड़की ने दसवीं की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की थी। हालाँकि, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उन्होंने और उनके परिवार ने आर्थिक तंगी के कारण अपनी जान देने का फैसला किया।

इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। उल्हासनगर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

आत्महत्या से पहले बनाया वीडियो

आत्महत्या करने से पहले पवन पाहुजा ने अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने बताया था कि वह आर्थिक तंगी के कारण अपनी जान दे रहा है। गुरुवार को इसकी सूचना मिलने पर उल्हासनगर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाया। तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सेंट्अल रस्पताल भेज दिया गया।

खर्डी गांव का उपसरपंच रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

शहापुर. शहापुर तालुका के खरडी ग्राम पंचायत के उप सरपंच मोसिम मुर्तुजा शेख (37) को भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। परिवादी ने भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में शिकायत की थी कि उप सरपंच ने मकान का किराया उसके नाम करवाने के लिए तीस हजार रुपये की रिश्वत मांगी है।

शिकायतकर्ता ने खरडी में एक मकान खरीदा था और खरडी ग्राम पंचायत के उप सरपंच मोसिम शेख ने मकान का मालिकाना हक उसके नाम पर करने के लिए उससे 30,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में शिकायत दर्ज कराई। तदनुसार, ठाणे भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने जाल बिछाकर खारडी के उप सरपंच मोसिम शेख को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया है.

अंबरनाथ-कटाई हाईवे पर दोपहिया वाहन और तेल टैंकर में भीषण टक्कर

उल्हासनगर निवासी राहुल चव्हाण की दुर्घटना में मौत

■ MIDC की कंपनी से घर जाते समय दुर्घटना में मौत

अंबरनाथ। अंबरनाथ में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं जिसमें वाहन चालक अपनी जान गंवा रहे हैं। ऐसे में बुधवार की शाम करीब 6 बजे उल्हासनगर निवासी राहुल चौहान अंबरनाथ आनंद नगर एमआयडीसी में काम कर घर लौट रहा था इतने में बाइक सवार राहुल चव्हाण ट्रक के पहिये के नीचे आ गया। ट्रक के पहिए के बीच बुरी तरह फंसे चव्हाण को क्रेन से ट्रक को उठाकर निकाला गया।

अंबरनाथ पूर्व शिवाजी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। वहां बताया गया है कि रोजाना वो अपने साथ किसी के साथ होते थे लेकिन कल हादसे के दौरान वो अकेले घर के लिए निकले थे और दुर्घटना हो गई।

PWD विभाग द्वारा स्वर्ण जयंती योजना के तहत

1.40 करोड़ रुपए के मॅन्युअल टेंडर जारी?

■ एक और बड़ा भ्रष्टाचार आएगा सामने

■ क्या मनपा आयुक्त इसे उजागर कर पाएंगी?

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के सार्वजनिक बांधकाम (PWD) विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार के विरूद्ध चाहे कितनी भी आवाज कोई बुलंद करे लेकिन जब तक मनपा आयुक्त द्वारा भ्रष्ट अधिकारीयों पर ब्रेक नहीं लगेगा तब तक भ्रष्टाचार रुकने वाला नहीं है।

ज्ञात हो कि मनपा पीडब्लयूडी विभाग द्वारा कुछ ही समय पहले टेंडर प्रक्रिया में धांधली करते हुए 2-3 चुनिंदा ठेकेदारों को फायदा पहुँचाने के लिये 10 से 12 करोड़ के लगभग 100 टेंडर मॅन्युअल पद्धति से जारी किये गए थे। हालांकि शहर के नेताओं व समाजसेवियों के विरोध के बाद पीडब्लयूडी विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव द्वारा आयुक्त मनिषा आव्हाले के आदेश पर उन टेंडरों पर स्थगन दिया गया।

वहीं अब बताया जा रहा है कि उक्त विभाग द्वारा स्वर्ण जयंती के तहत फिर से 1 करोड़ 40 लाख के लगभग 14 टेंडर जारी किये गए है? जिससे यह कहा जा रहा है कि इस विभाग में एक और बड़ा भ्रष्टाचार सामने आने वाला है। मनपा आयुक्त इससे वाकिफ है या नहीं इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन अब क्या यह एक और भ्रष्टाचार का मामला उजागर होगा या नहीं यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

उल्हासनगर में ट्रैफिक पुलिस ने की 149 वाहनों पर कार्रवाई

■ 1 लाख 78 हजार रुपए का जुर्माना लगाया

■ कल्याण-बदलापुर रोड पर पुलिस की चौंकाने वाली कार्रवाई

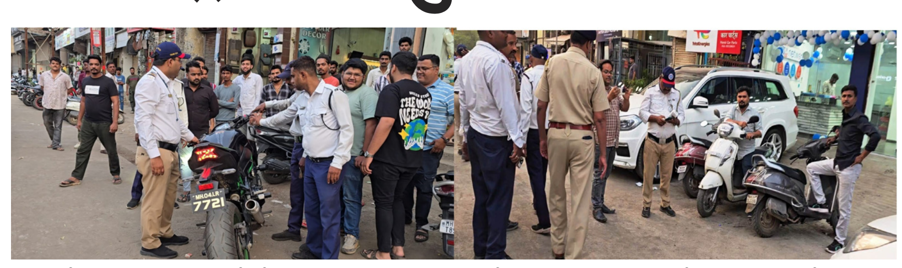

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए उल्हासनगर यातायात विभाग पुलिस ने मंगलवार को कठोर कार्रवाई की। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ दो घंटे के भीतर कार्रवाई की और 1 लाख 78 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। यातायात पुलिस ने करीब 149 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। इसमें एक वाहन पर फैंसी नंबर प्लेट लगाना और चार वाहनों पर सड़क के गलत तरफ चलना शामिल है। यातायात में बाधा डालने वाले तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले स्थानों पर पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 3 के.बी. रोड क्षेत्र के व्यापारियों और दुकानदारों को यातायात नियमों का पालन करने का आदेश पहले ही दिया जा चुका था। लेकिन कुछ व्यापारियों ने इसकी अनदेखी की। इसके अलावा पुलिस द्वारा कुछ नागरिकों को बार-बार यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी कहा गया। शहर में यातायात समस्या के समाधान के लिए पुलिस ने बार-बार निर्देश जारी किए थे। लेकिन पुलिस के इस निर्देश को नजरअंदाज करने के बाद आखिरकार पुलिस ने मंगलवार को कार्रवाई शुरू कर दी।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल ने बताया है कि कुछ नागरिकों ने यातायात नियमों का उल्लंघन किया है। हमने 149 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है और फैंसी नंबर प्लेट वाले एक वाहन को जब्त किया है। गलत साइड से वाहन चलाने वाले 4 पकड़े गए हैं। हमने यातायात में बाधा डालने वाले स्थानों पर पार्क किए गए कुल 149 वाहनों तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है और 1 लाख 78 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

यातायात पुलिस की अपील..

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि आप कानून का पालन करें. दिए गए नियमों का उल्लंघन न करें। कल्याण बदलापुर रोड पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले स्थानों पर वाहन पार्क न करें। हम हर दिन कार्रवाई करेंगे। जब तक आप खुद में सुधार नहीं करते. यदि आप कानून का पालन नहीं करेंगे तो हम आपको कानून सिखाते रहेंगे। पुलिस ने अपील की है कि जिन्होंने अपनी कारों पर फैंसी नंबर प्लेट, संशोधित साइलेंसर और काली फिल्म वाली खिड़कियां लगा रखी हैं, वे इन्हें तुरंत हटा लें, अन्यथा हम सड़क पर ही कार्रवाई करेंगे। आज हमने सड़क पर एक कार का साइलेंसर हटा दिया। यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल ने नागरिकों को निर्देश दिया कि हमें जहां भी मॉडिफाइड साइलेंसर मिलेगा, हम उसे वहां से हटा देंगे। यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुखदेव पाटिल ने उल्हासनगर नपा को कल्याण बदलापुर रोड पर यातायात के लिए तुरंत पीली पट्टी लगाने की सलाह दी है। यातायात पुलिस ने एक्शन मोड में आकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

उल्हासनगर मनपा की मानसून पूर्व तैयारियां शुरू

■ स्थायी समिति सभागृह में समीक्षा बैठक आयोजित

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासक तथा आयुक्त मनीषा आव्हाले के आदेश तथा मार्गदर्शन में अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस की अध्यक्षता में बुधवार की दोपहर उल्हासनगर महानगरपालिका के स्थायी समिति सभागृह में प्राकृतिक आपदाओं के लिए मानसून पूर्व तैयारियों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस समीक्षा बैठक में लगभग 12 विषयों पर चर्चा की गई। इसमें 24x7 आपदा नियंत्रण प्रबंधन प्रकोष्ठ की स्थापना, मनपा क्षेत्र में प्रगति-नाली सफाई कार्य, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति एवं सार्वजनिक स्वच्छता, बाढ़ नियोजन उपाय, महामारी रोग नियोजन (निवारक दवाइयां/छिड़काव), खतरनाक भवन (जर्जर हालत में), सड़क/नाली मरम्मत, आपदा पीड़ितों के लिए अस्थायी आश्रय की व्यवस्था, बाढ़ संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की तैयारी एवं आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी, खोज एवं बचाव (एसओपी) की तैयारी एवं आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी, भूस्खलन/खतरनाक पुल/ बाढ़ संभावित क्षेत्रों, अत्यधिक खतरनाक पेड़ों का प्रारंभिक सर्वेक्षण एवं तैयारी समेत 12 विषयों पर चर्चा की गई। मनपा आयुक्त (1) तथा जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस समीक्षा बैठक में मनपा सुरक्षा अधिकारी यशवंत खोसी, सहायक आयुक्त सुश्री मयूरी कदम, विशाल कदम, प्रभाग अधिकारी गणेश शिम्पी, मनीष हिवारे, सलोनी निवकर, अलका पवार, अग्निशमन अधिकारी सुरेश बोंबे के साथ ही नायब तहसीलदार प्रशांत कुमावत तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

4 माह से वेतन का इंतजार कर रहे ट्रैफिक वार्डन

■ उल्हासनगर मनपा की लापरवाही

उल्हासनगर. शहर में यातायात नियंत्रण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाले ट्रैफिक वार्डन पिछले चार महीने से अपने वेतन का इंतजार कर रहे हैं। मनपा प्रशासन की उपेक्षा के कारण वे और उनके परिवार भुखमरी का सामना कर रहे हैं। इससे यातायात वार्डन नाराज हो गए हैं।

मनपा की उदासीनता से इन वार्डनों में रोष व्याप्त है और उन्होंने एकजुट होकर प्रशासन से बकाया मानदेय का तुरंत भुगतान करने की मांग की है। अन्यथा, कुछ वार्डनों ने विरोध प्रदर्शन की भी चेतावनी दी है। मनपा के संबंधित विभाग ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बहरहाल, ट्रैफिक वार्डनों की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सामाजिक स्तर से मांग उठ रही है कि प्रशासन को तत्काल निर्णय लेने की जरूरत है। चूंकि यातायात जाम की समस्या को हल करने में ट्रैफिक वार्डन की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए यह आवश्यक है कि उनके वेतन का मुद्दा हल किया जाए। वार्डनों का कहना है कि वे प्रतिदिन नियमित रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, तथा शहर की यातायात व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्था, भीषण गर्मी और वाहन चालकों की कठिनाइयों को सहन कर रहे हैं। हालांकि इतना कुछ होने के बावजूद नगर निगम उनके वेतन की अनदेखी कर रहा है। कुछ वार्डनों ने बताया कि किराया न चुका पाने के कारण मकान मालिकों द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है।

41 वार्डनों में रोष

उल्हासनगर मनपा ने शहर में यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए चिलचिलाती धूप में घंटों खड़े रहने वाले 41 वार्डनों को पिछले चार महीनों से एक भी रुपया नहीं दिया है। मात्र छह हजार रुपये वेतन पर काम करने वाले इन वार्डनों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है और मनपा की इस अनदेखी से वार्डनों में गहरी नाराजगी है। उन्हें मात्र 6 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है, फिर भी समय पर पैसा न मिलने के कारण उनके परिवार भुखमरी का सामना कर रहे हैं।

अंबरनाथ, मुरबाड तालुका में सरपंच पदों के लिए ड्रा सम्पन्न

■ अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति के लिए ग्राम पंचायतें निर्धारित

अंबरनाथ. आगामी ग्राम पंचायत चुनावों की पृष्ठभूमि में, अंबरनाथ और मुरबाड तालुका में ग्राम पंचायतों के सरपंच पद के आरक्षण के लिए ड्रा मंगलवार को आयोजित किया गया। अंबरनाथ की कुल 28 ग्राम पंचायतों में से 3 ग्राम पंचायत सरपंच पद अनुसूचित जनजाति के लिए, 2 अनुसूचित जाति के लिए और 8 सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। 15 ग्राम पंचायतों के सरपंच का पद रिक्त रहेगा। इनमें से 8 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। मुरबाड तालुका में 126 ग्राम पंचायतों के लिए आरक्षण की घोषणा की गई है, जिनमें से 55 अनुसूचित क्षेत्रों में और 71 गैर-अनुसूचित क्षेत्रों में रह गई हैं। इस आरक्षित पद के लिए लॉटरी निकलने के बाद कई लोगों ने ग्राम पंचायत के सरपंच पद के लिए तैयारी शुरू कर दी है, जबकि कई दावेदारों का मन उदास हो गया है।

आगामी वर्ष में ठाणे जिले के विभिन्न तालुकाओं में ग्राम पंचायत चुनाव होंगे। इससे पहले, 2021 में ग्राम पंचायत चुनाव हुए थे। इसलिए, अब यह उम्मीद की जा रही थी कि आगामी अवधि के लिए ग्राम पंचायतों के सरपंच पद का चुनाव किया जाएगा। तदनुसार, अंबरनाथ और मुरबाड

तालुका में सरपंच पद के लिए आरक्षण जारी करने की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी हो गई। इसमें अंबरनाथ तालुका में 28 ग्राम पंचायतों और मुरबाड तालुका में 126 ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों के लिए चुनाव हुआ। चूंकि मुरबाड तालुका एक आदिवासी बहुल तालुका है, इसलिए अनुसूचित क्षेत्रों से 55 ग्राम पंचायतें और गैर-अनुसूचित क्षेत्रों से 71 ग्राम पंचायतें इसमें शामिल की गईं।

गैर अनुसूचित क्षेत्र में देवगांव और न्हावे ग्राम पंचायत अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, जबकि न्हावे महिलाओं के लिए आरक्षित है। साकुरली और कलंभे ग्राम पंचायतें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित होंगी, जबकि शिरगांव और पोटगांव अनुसूचित जनजाति महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसलिए, 19 ग्राम पंचायतें पिछड़े वर्ग के सरपंचों के लिए आरक्षित रहेंगी। 46 ग्राम पंचायतों के सरपंच का पद आम जनता के लिए खुला रहेगा। वहीं, अनुसूचित क्षेत्रों में महिला संपरपंचों के लिए 28 ग्राम पंचायतें आरक्षित रहेंगी। जबकि 27 ग्राम पंचायतें सामान्य जनता के लिए आरक्षित रहेंगी।

अंबरनाथ की 28 ग्राम पंचायतों में से 2 ग्राम पंचायतों के सरपंच का पद अनुसूचित जाति के लिए और 3 गांवों के सरपंच का पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रहेगा। आठ ग्राम पंचायतों के सरपंच पद निम्न वर्ग के नागरिकों के लिए आरक्षित रहेंगे तथा उनमें से चार महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे। 15 ग्राम पंचायतों के सरपंच पद के लिए कोई आरक्षण नहीं होगा। इनमें से 8 पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

सेना में महिलाओं की संख्या

सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्रायः सवाल उठते रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए?

अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था।

स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं।

सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

दरकते पाकिस्तान पर बना रहे भारत का दबाव

आपरेशन सिंदूर न केवल पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान को करारा जवाब है, वरन भारत की सैन्य क्षमता का साहसिक प्रदर्शन भी है। भारत ने सामरिक घात-प्रतिघात रोकना अपनी शर्तों पर स्वीकार किया, जिसमें सिंधु जल संधि के स्थगन पर फैसला कायम रखना और आतंकी गतिविधियों को युद्ध की संज्ञा देना शामिल है। कई लोग चाहते थे कि भारत कुछ ऐसा करता, जिससे समस्या का स्थायी समाधान होता, पर आखिर भारत ऐसा करता क्या?

आपरेशन सिंदूर का लक्ष्य था- आतंकियों और उनके अड्डों को चिह्नित कर उन्हें नष्ट करना और उन्हें प्रश्रय देने वालों को दंडित करना। इस लक्ष्य की बड़े हद तक पूर्ति हुई। आपरेशन सिंदूर से 'मोदी सिद्धांत' का उद्भव हुआ, जो अब भारत की आतंक विरोधी नीति का स्थायी तत्व है। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवाद से बाज नहीं आता, पर मोदी सिद्धांत उसके सैन्य समाधान हेतु तैयार है। इसे पाकिस्तान को समझना होगा, क्योंकि उसकी राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदहाल है।

पाकिस्तान में पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत हैं। संघ शासित क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर है। विभाजन के समय इसमें पूर्वी पाकिस्तान भी था, जो 1971 में बांग्लादेश बना। पाकिस्तान में अनेक विभाजनकारी कारक हैं। पाकिस्तानी लोकतंत्र में क्षेत्रीयता, जातीयता और भाषाई अस्मिताओं को समुचित प्रतिनिधित्व कभी नहीं

मिला। पाकिस्तान में पंजाबी 42.15 प्रतिशत, सिंधी 14.1 प्रतिशत, पश्तून या पठान-पख्तून 17.42 प्रतिशत, बलूच 3.57 प्रतिशत और मुहाजिर (भारत से गए मुस्लिम) 7.57 प्रतिशत हैं। ये जातीय अस्मिताएं अलग-अलग प्रांतों में सिमटी हैं।

पंजाब में पंजाबी बोली जाती है, सिंध में मुहाजिर उर्दू पसंद करते हैं और सिंधी को राजभाषा बनाने से पंजाबियों, सिंधियों और पठानों से नाराज हैं। बलूचिस्तान में बलूची और पश्तो बोली जाती है, खैबर-पख्तूनख्वा में पख्तून पश्तो बोलते हैं। इस कारण सिंधी, बलूच, पख्तून केवल अपने ही लोगों को वोट देते हैं, जिसका अलग-अलग दल लाभ उठाते हैं। वैसे तो सामाजिक विविधताएं बगिया के फूल की भांति होती हैं, लेकिन जब उन्हें राजनीतिक शक्ति संस्थाओं में समुचित स्थान नहीं मिलता, तो वे विभाजनकारी हो जाती हैं।

पाकिस्तान ने 1971 के विभाजन से कुछ सीखा नहीं। बांग्ला भाषाई अस्मिता के कारण उसे पूर्वी पाकिस्तान खोना पड़ा। आज वही स्थिति बलूचिस्तान में है, जिसके पास पाकिस्तान का 43.6 प्रतिशत भू-भाग है। उसके पास सोना, तांबा, कोयला, गैस आदि का विशाल भंडार है, पर उसकी राजनीतिक हिस्सेदारी नगण्य है। कई बलूच गुट दशकों से संघर्षरत हैं। बलूचिस्तान के लिए आवंटित पाकिस्तानी बजट का 70 प्रतिशत हिस्सा वहां के कबाइली बलूच सरदारों को देना पड़ता है और केवल 30 प्रतिशत ही प्रांतीय सरकार को खर्च हेतु मिलता है। बलूची स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को आमंत्रित किया है। विगत 75 वर्षों से पाकिस्तानी सेना और सरकार बलूचों पर अत्याचार कर रहे हैं। बलूचों की तरह पख्तून भी पाकिस्तान से खार खाए बैठे हैं।

पाकिस्तान में राजनीतिक संस्थाओं पर एक प्रांत, एक जातीयता और एक भाषा वाले लोगों का वर्चस्व है, जो दूसरा बड़ा विभाजनकारी तत्व है। वहां पंजाबी सबसे बड़ा समूह है। संख्या, शिक्षा और संपन्नता के कारण सेना और राजनीति पर उसका एकाधिकार है। पाकिस्तानी संसद (नेशनल असेंबली) में सिंध, बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा आदि के मुकाबले पंजाब के पास कहीं अधिक सीटें हैं। इसी कारण पूरे पाकिस्तान पर पंजाब हावी रहता है। बलूचों और अन्य की नीति-निर्माण में भूमिका नगण्य है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जितना अधिक हम ध्यानाभ्यास करेंगे, उतने ही अधिक शांत भाव के साथ हम दैनिक चुनौतियों का सामना कर पाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने की युक्तियां चीन सदा से खोजता रहता है। अरुणाचल को वह अपना हिस्सा बताता रहा है। उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा लांघने का प्रयास करते हैं। इस वजह से कई मौकों पर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ जाता है। करीब पांच वर्ष पहले उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उसने अरुणाचल की कुछ जगहों के नाम बदल कर यह जताने का प्रयास किया कि वे उसका हिस्सा हैं।

2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नए नाम की सूची जारी की थी ।उसके बाद 2021 में पंद्रह स्थानों वाली दूसरी सूची और 2023 में ग्यारह अतिरिक्त स्थानों के नाम वाली एक और सूची जारी की थी। पिछले महीने तीस स्थानों के नाम बदल कर उसने एक और सूची जारी कर दी। अब कुछ और जगहों के नाम बदल दिए हैं। उसकी इस हरकत पर हर बार भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी जाती रही है, फिर भी वह अपनी चालबाजी से बाज नहीं आता। भारत ने फिर दोहराया है कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अंग रहा है और रहेगा। नाम बदल देने से कोई जगह किसी और की नहीं हो जाती।

हालांकि भारत और चीन की सीमारेखा बहुत पहले से चिह्नित है, मगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत उसे मानने से इनकार करता रहा है। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की कोशिश करता रहा है। मगर भारत की सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ के चलते उसे कामयाबी नहीं मिल पाती।

अभी आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया, तब भी चीन उसके समर्थन में उतर आया। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है।

चीन अच्छी तरह जानता है कि केवल जगहों के नाम बदल देने से वह इलाका उसका नहीं हो जाएगा। मगर फिर भी इस तरह की हरकतें करके वह समझता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे स्वीकार कर लेगा। पिछले ओलंपिक के समय अरुणाचल की दो खिलाड़ियों को इसलिए उसने प्रवेश से रोक दिया था कि अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम वह स्वीकार नहीं करता।

कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। दरअसल, भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। विचित्र है कि वह सीमा विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की बातें तो करता है, पर इसके लिए कोई गंभीर पहल कभी नहीं करता।

नेवले पर क्यों नहीं होता सांप के जहर का असर?

कभी सोचा है कि सांपों का दुश्मन नंबर एक नेवला इनके जहर से कैसे बच जाता है? सांप अक्सर नेवले पर

जरा हट के

अटैक करने की कोशिश करता है, लेकिन अक्सर जीत नेवले की ही होती है. आखिर क्यों सांप का जहर नेवले पर बेअसर हो जाता है?

इसको लेकर लोगों की अलग-अलग अवधारणाएं हैं. सांप आमतौर पर नेवले के बच्चों को अपना शिकार तो बना लेता है, लेकिन वयस्क नेवले के सामने उसकी हार निश्चित होती है. कुछ लोगों का कहना है कि नेवले के शरीर पर घने बाल सांपों के जहर से बचाते हैं. इसका मतलब यह हुआ कि सांप जब नेवले पर अटैक करता है, तो उसके दांत नेवले के बालों से आगे नहीं जा पाते. ऐसे में शरीर के अंदर सांप का जहर नहीं पहुंचता. लेकिन इसके पीछे साइंटिफिक कारण भी है. दरअसल, नेवलों के शरीर में निकोटिनिक एसिटाइलकोलिन

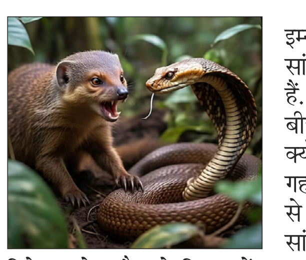

रिसेप्टर होता है, जो दिमाग में मौजूद एक न्यूरोट्रांसमीटर है. इसका काम खून में मिले विष के न्यूरोटॉक्सिक इफेक्ट को कम करना होता है. इस वजह से नेवलों की सांप के जहर से मौत नहीं होती. वो जहर के प्रति इम्यून होते हैं. हालांकि, कई बार सांप भी नेवलों पर भारी पड़ जाते हैं. लेकिन सांप और नेवले के बीच लड़ाई की वजह क्या है? क्यों इन दोनों के बीच इतनी गहरी दुश्मनी है? वाइल्डलाइफ से जुड़े रिपोर्ट्स के मुताबिक, सांप और नेवले की दुश्मनी की वजह प्राकृतिक है. दरअसल, नेवलों का मुख्य भोजन सांप होते हैं. ये सांपों का शिकार करके उन्हें खाते हैं. एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, नेवले अधिकतर पहले हमला नहीं करते, वो पहले सांप के हमले से खुद को या अपने बच्चों को बचाने की कोशिश करते हैं. इस चक्कर में ही दोनों आमने-सामने आ जाते हैं. बता दें कि भारतीय नेवले को सबसे खतरनाक स्नेक किलर, यानी सांपों का दुश्मन माना जाता है. ये किंग कोबरा तक को मारने में सक्षम होते हैं. एक अन्य वजह यह भी है कि सांप और नेवले दोनों को अपने क्षेत्र में दखलअंदाजी पसंद नहीं है. ऐसे में ये दोनों जीव एक-दूसरे के क्षेत्र में घुस जाते हैं, तो लड़ाई शुरू हो जाती है.

मल्टीग्रेन ब्रेड सैंडविच

फिट और एक्टिव रहने के लिए सही डाइट फॉलो करना बेहद जरूरी है। Multigrain Bread Sandwich एक ऐसा ब्रेकफास्ट ऑप्शन है जो टेस्टी होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। मल्टीग्रेन ब्रेड में कई तरह के अनाज होते हैं, जो फाइबर, विटामिन और मिनरल से भरपूर होते हैं। यह सैंडविच बनाने में भी बहुत आसान है, इसलिए आप इसे झटपट तैयार कर सकते हैं। आइए जानें।

सामग्री :

- मल्टीग्रेन ब्रेड - 4 स्लाइस
- पनीर या टोफू - 100 ग्राम, पतला कटा हुआ
- टमाटर - 1, पतला कटा हुआ
- खीरा - 1, पतला कटा हुआ
- प्याज - 1, पतला कटा हुआ
- शिमला मिर्च - 1/2, पतली कटी हुई (ऑप्शनल)
- हरी चटनी - 2 बड़े चम्मच
- टमाटर सॉस - 2 बड़े चम्मच
- मक्खन या तेल - 1 चम्मच
- नमक और काली मिर्च - स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले, टमाटर, खीरा, प्याज और शिमला मिर्च को पतला-पतला काट लें।

पनीर या टोफू को भी पतला काट लें।

ब्रेड की दो स्लाइस पर हरी चटनी और दो स्लाइस पर टमाटर सॉस फैलाएं।

चटनी वाली ब्रेड पर पनीर, टमाटर, खीरा, प्याज और शिमला मिर्च की परतें रखें।

ऊपर से सॉस वाली ब्रेड रखें और हल्का सा दबाएं।

एक पैन में मक्खन या तेल गरम करें। सैंडविच को पैन में रखें और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें।

सैंडविच को बीच से काटें और गरमागरम परोसें।

फायदे की जगह चेहरे को नुकसान पहुंचा सकती हैं 6 चीजें

आंख मूंदकर बिल्कुल भी न करें इस्तेमाल

अपनी स्किन को खूबसूरत बनाए रखने के लिए हम कई नुस्खे आजमाते हैं। सोशल मीडिया पर किसी इंफ्लूएंसर का बताया कोई जुगाड़ हो या नानी-दादी के नुस्खे, ग्लोइंग स्किन पाने के लिए हम सबकुछ ट्राई करने को तैयार हो जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी चीजें हैं, जो आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है। जी हां, अगर आप किसी घरेलु नुस्खे या DIY फेस मास्क में इन चीजों को मिलाते हैं, तो इससे आपके चेहरे की स्किन डैमेज हो सकती है। आइए जानें किन 6 चीजों को चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए।

चीनी

एक्सफोलिएट करने के लिए कई लोग अपने DIY फेस मास्क में चीनी मिला लेते हैं। लेकिन यह स्किन के लिए हानिकारक है। चीनी काफी हार्ड होती है और स्किन पर इसे रगड़ने से माइक्रो टीयरिंग हो सकती है। इससे त्वचा में जलन, रैशेज और इन्फेक्शन भी हो सकता है। इसलिए चीनी से चेहरा स्क्रब नहीं करना चाहिए। इसकी जगह चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह काफी बारीक होता है, जिससे स्किन को नुकसान नहीं पहुंचता।

गर्म पानी

स्किन के पोर्स क्लीन करने के लिए कई लोग अपना चेहरा गर्म पानी से धोते हैं। लेकिन ऐसा करने से स्किन का नेचुरल मॉइश्चर खत्म हो सकता है और ड्राईनेस की समस्या हो सकती है। इसलिए गर्म पानी की जगह हल्के गुनगुने या ठंडे पानी से चेहरा धोएं।

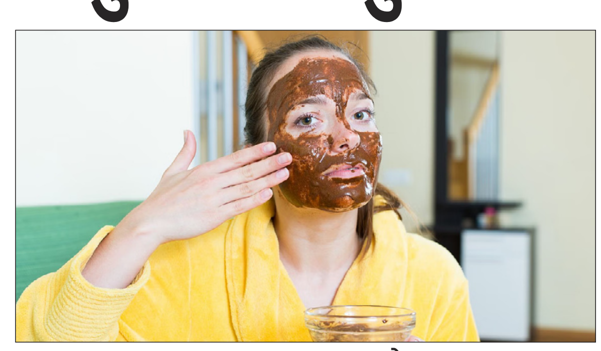

नींबू

नींबू का कई DIY फेस मास्क में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन नींबू में मौजूद एसिड स्किन का pH बिगाड़ सकता है। इसे स्किन पर लगाने से जलन, रैशेज और बर्निंग जैसी परेशानियां हो सकती है। खासकर अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो नींबू का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

टूथपेस्ट

पिंपल्स को ठीक करने के लिए कई लोग उस पर टूथपेस्ट लगा लेते हैं। लेकिन इसमें मौजूद मिंट, फ्लोराइड और केमिकल्स से स्किन को ड्राई और इरिटेट कर सकते हैं। इससे एक्ने की समस्या और बढ़ सकती है। इसलिए अगर आपको एक्ने की समस्या है भी, तो टूथपेस्ट की जगह सैलिसिलिक एसिड या टी-ट्री ऑयल का इस्तेमाल करें।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा स्किन का pH बेसिक कर देता है। इशके कारण ड्राइनेस, रैशेज, सूजन जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए चेहरे पर कुछ भी ऐसा नहीं लगाना चाहिए, जो उसके नेचुरल pH बैलेंस को बिगाड़े।

नारियल तेल

नारियल तेल कोमिडोजेनिक होता है, यानी इससे स्किन के पोर्स क्लॉग हो सकते हैं। इसलिए इसे चेहरे पर लगाने से ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स और एक्ने की समस्या हो सकती है। इसलिए इसका इस्तेमाल सिर्फ बालों के लिए ही करें। चेहरे पर इसका इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए नॉन कोमिडोजेनिक मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा।

वृषभ : धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जल्दबाजी से हानि संभव है।

मिथुन : वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

कर्क : वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह : स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। तनाव रहेगा।

कन्या : किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा।

तुला : आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें। दूसरों की बातों में नहीं आएं।

वृश्चिक : आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे।

धनु : जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा।

मकर : कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ : आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे। चिंता रहेगी।

मीन : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल है, जल्दबाजी न करें। प्रसन्नता रहेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गर्मियों में सत्तू है वरदान

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने के लिए लोग तरह-तरह के पेय पदार्थ पीते हैं. इन्हीं में से एक है सत्तू, जो आज भी कई गांवों और कस्बों में गर्मी से राहत पाने के लिए पीया जाता है. सत्तू का सेवन पुरानी परंपरा है, लेकिन अब शहरों में भी इसकी मांग बढ़ गई है. सत्तू को भुने हुए चनों से बनाया जाता है. कुछ जगहों पर यह काबुली चने से बनता है, तो कहीं लाल चने से. इसका आटा पानी में घोलकर पीया जाता है. इसमें थोड़ा नींबू, नमक या गुड़ डालने से इसका स्वाद और बढ़ जाता है. सत्तू शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है और गर्मी से लगने वाली लू से भी बचाव करता है.

सत्तू में पाए जाने वाले पोषक तत्व

सत्तू में भरपूर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन और मिनरल्स होते हैं. यह पेट को साफ रखने में मदद करता है और भूख को भी शांत करता है. गर्मियों में जब पसीना निकलने से शरीर कमजोर लगने लगता है, तब सत्तू ताकत देता है और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता.

लेकिन हर चीज की तरह सत्तू के भी कुछ नुकसान हैं. खासकर अगर आपका पाचन कमजोर है या कोई पुरानी बीमारी है तो सत्तू पीने से पहले सावधानी जरूरी है.

किन लोगों को सत्तू नहीं पीना चाहिए?

- गैस की समस्या वाले लोगों को सत्तू से दूर रहना चाहिए. सत्तू में फाइबर बहुत ज्यादा होता है, जो पेट में गैस बना सकता है. इससे पेट फूल सकता है और बेचैनी हो सकती है.
- जिन लोगों को पथरी है, उनके लिए भी सत्तू सही नहीं माना जाता. यह शरीर में कुछ ऐसे तत्व बढ़ा सकता है जो पथरी की परेशानी बढ़ा देते हैं.
- अगर आपको चना हज़म नहीं होता या इससे एलर्जी है, तो सत्तू आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है. एलर्जी की स्थिति में स्किन पर रैश, खुजली या पेट खराब हो सकता है.
- जिन लोगों को वात से जुड़ी परेशानी है, जैसे जोड़ों में दर्द या सूजन, उन्हें भी सत्तू नहीं पीना चाहिए. ठंडी चीज़ें वात को बढ़ाती हैं, जिससे हड्डियों में अकड़न या दर्द बढ़ सकता है.

फैटी लिवर को कम करती स्ट्रॉबेरी

एक रिपोर्ट के मुताबिक तीन में से एक व्यक्ति को फैटी लिवर की बीमारी है. वहीं देश के 14 करोड़ लोगों को डायबिटीज है. यह संख्या हर दिन बढ़ रही है. ऐसे में एक लाल और रसों से भरा ऐसा फल है जो इन दोनों बीमारियों के जोखिम को एक साथ खत्म कर सकता है. इस फल का नाम है स्ट्रॉबेरी. चटक लाल रंग वाला यह फल गर्मी के महीनों में खूब मिलता है. 2023 के एक अध्ययन में पाया गया कि स्ट्रॉबेरी खाने से कार्डियोमेटाबोलिक हेल्थ में सुधार होता है. इससे डायबिटीज और फैटी लिवर डिजीज का रिस्क बहुत कम हो जाता है.

टीओआई की खबर के मुताबिक इस अध्ययन में पाया गया कि स्ट्रॉबेरी टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल (लो-डेंसिटी लाइपोप्रोटीन) में तेजी से कमी लाती है. वहीं यह ब्लड वैसल्स को स्मूथ करती है और शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है. इन सबके कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस का जोखिम भी कम हो जाता है. चूंकि स्ट्रॉबेरी इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करती है, इसलिए यह अप्रत्यक्ष तौर पर फैटी लिवर को भी कम कर सकता है. क्लिनिकल ट्रायल्स में यह भी पाया गया कि स्ट्रॉबेरी हार्ट डिजीज के लिए जिम्मेदार कई कारकों जैसे कि लिपिड स्तर को संतुलित करती है. इलिनोइस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की प्रोफेसर प्रो. ब्रिट बर्टन-फ्रीमैन ने कहा कि ग्लोबल

बर्डन ऑफ डिजीज अध्ययन से पता चला है कि अगर आप फल नहीं खाएंगे तो इससे हार्ट डिजीज और डायबिटीज का खतरा बढ़ जाएगा. इस फ्रूट गैप को पाटने के लिए हमें न सिर्फ फल की मात्रा बढ़ानी होगी बल्कि उनकी विविधता भी बढ़ानी होगी.

हार्ट डिजीज का जोखिम भी होता है कम

शोध बताते हैं कि रोज़ाना एक कप स्ट्रॉबेरी खाने से कई फायदे हो सकते हैं. एक कप फल 100 ग्राम के आसपास होते हैं. शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज से बचने के लिए स्ट्रॉबेरी बेहतरीन फल है. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया के डॉ. रोबर्टा होल्ट जो एक अन्य स्टडी की प्रमुख शोधकर्ता हैं, ने बताया कि स्ट्रॉबेरी में मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट्स हार्ट हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद है. इस अध्ययन में पाया गया कि नियमित रूप से स्ट्रॉबेरी खाने से कोलेस्ट्रॉल तो घटता ही है साथ ही इंफ्लामेशन में भी कम आती है, जो हार्ट डिजीज का एक मुख्य कारण है. यानी रोज़ाना एक कप स्ट्रॉबेरी खाने से हार्ट डिजीज के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है. क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट टोबी अमिडोर कहती हैं कि लोग अब प्राकृतिक रूप से बीमारियों का समाधान चाहते हैं. ऐसे में स्ट्रॉबेरी एक स्वादिष्ट, किफायती और आसान विकल्प है. स्ट्रॉबेरी में फाइबर, फाइटोन्यूट्रिएंट्स और खासकर विटामिन सी से भरपूर मात्रा में होती है. आप इन्हें स्मूदी, योगर्ट और सलाद में भी मिला कर खा सकते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लखनऊ के बस हादसे में जिंदा जल गई समस्तीपुर की मां-बेटी, घर में पसरा मातम

लखनऊ. लखनऊ में चलती बस में लगी आग से जिंदा जलकर मरने वाले लोगों में बिहार के समस्तीपुर के हसनुपर की मां-बेटी भी शामिल हैं। हसनपुर के मधेपुर गांव में गुरुवार की सुबह जैसे ही इसकी सूचना मिली घर में कोहराम मच गया। मृतका के बेटा दीपक महतो ने बताया कि उसके पिता अशोक महतो उर्फ रामप्रकाश महतो, मां लख्खी देवी, बहन सोनी देवी व ढ़ाई साल के भांजे आदित्य को मुसरीघरारी में दिल्ली जाने वाली बस में बुधवार को ढई बजे चढ़ाकर वापस लौटा था। रात में सभी से बात भी हुई थी। इसके बाद सुबह में मां व बहन के मौत की सूचना मिली। मां के इलाज को लेकर सभी लोग मुगलसराय जा रहे थे। लखनऊ के रास्ते सभी लोग इलाहाबाद में भाई गुड्डु महतो व रामप्रकाश महतो के यहां रूकने के बाद मुगलसराय रवाना होते। उसने बताया कि ढाई महीने पहले ही मां के पेट का ऑपरेशन मुगलसराय में हुआ था।

ट्रेजरी के बाबू और मुंशी ने मांगी रिश्वत, सिपाही ने बना लिया वीडियो, डीएम ऐक्शन में

बरेली. बरेली ट्रेजरी के बाबू दीपक और मुंशी विनोद ने पुलिस लाइन में तैनात सिपाही आकाश कुमार से एनपीएस फंड निकालने के नाम पर 3 हजार की रिश्वत मांगी। सिपाही ने बाबू और उसके मुंशी की वीडियो बना लिया। बुधवार को सिपाही ने रिश्वत मांगने वाले ट्रेजरी के बाबू और मुंशी विनोद की शिकायत डीएम से की। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एडीएम सिटी को जांच को सौंप दी। एडीएम सिटी ने जांच शुरू कर दी।

एकतरफा प्यार में हुआ पागल, बात करने से मना करने पर भाई की साली को मारा चाकू

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज में एक युवक ने एक तरफा प्यार में एक लड़की पर हमला कर दिया। लड़की ने उससे बात करने से मना कर दिया था। मोबाइल पर बात न करने से एकतरफा प्यार में नाराज युवक ने बड़े भाई की साली को चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना से क्षुब्ध परिजनों व पड़ोसियों ने युवक की जमकर धुनाई की। दोनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मांडा से एसआरएन अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 24 वर्षीय युवक मंगलवार रात अपने बड़े भाई की ससुराल मांडा थाना क्षेत्र के ही गांव में बारात में आया था। देर रात भाई के ससुराल पहुंचा। अपने बड़े भाई की 23 वर्षीय साली को घर के बाहर बुलाकर फोन पर बात न करने का कारण पूछा। साली ने जब कहा कि वह उससे बात नहीं करना चाहती, तो इसी बात से नाराज होकर युवक ने उसे चाकू मारकर घायल कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर चिल्लाने लगी। शोर सुनकर परिवार के लोग पहुंचे और युवक की भी जमकर पिटाई कर दी।

अमेरिकी अखबार ने सैटेलाइट तस्वीरों से खोली पाकिस्तान की पोल

■ भारत को खरोंच तक नहीं

नई दिल्ली. पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ताबड़तोड़ कार्रवाई की। इसमें आतंकवादियों के 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिशि की। इसका प्रतिकार करते हुए भारत ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। अमेरिकी अखबरा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक डिटेल रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए भारत सरकार के दावे पर मुहर लगा दी है। अखबार ने

दिखाया है कि पाकिस्तान को किस पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। साथ ही पाकिस्तान के दावों की भी पोल खोलकर रख दी है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, संघर्ष के दौरान दोनों देशों ने ड्रोन और प्रिसिजन गाइडेड मिसाइलों का इस्तेमाल किया, लेकिन भारत के हमले अधिक सटीक और रणनीतिक थे। रिपोर्ट में कहा गया, "जब संघर्ष प्रतीकात्मक हमलों से आगे बढ़कर रक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने लगा तब भारत ने स्पष्ट रूप से बढ़त हासिल कर ली।"

पाकिस्तानी दावों पर उठाए सवाल

पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने भारत के उधमपुर और आदमपुर एयरबेस को निशाना बनाया, लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों और भारतीय अधिकारियों ने इन दावों को खारिज कर दिया। 12 मई को ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में उधमपुर एयरबेस को कोई नुकसान नहीं दिखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं आदमपुर एयरबेस का दौरा किया, जिससे पाकिस्तान के दावे और अधिक संदिग्ध हो गए।

सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता चल रहा है कि भारत ने कैसे सटीक निशाना साधते हुए कराची के पास भोलारी एयर बेस पर मिसाइल से विमान हैंगर को नुकसान पहुंचाया। इसी की तरह पाकिस्तान के परमाणु कमांड और सेना मुख्यालय से सटे नूर खान एयर बेस पर भी हमला किया गया, जिसकी पहले और बाद की तस्वीर जारी की गई है। रहीम यार खान और सरगोधा एयरबेस पर भी भारत ने रनवे को नुकसान पहुंचाया है।

आतंक के खिलाफ कड़ा प्रहार, पुलवामा और अवंतीपोरा में

48 घंटे के भीतर लश्कर-जैश के 6 आतंकी ढेर

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर में सेना का आतंक के खिलाफ ऐक्शन जारी है। पुलवामा के अवंतीपोरा और शोपियां जिलों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को दो अलग-अलग ऑपरेशन में बड़ी चोट दी है। बीते 48 घंटों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कुल 6 आतंकियों को मार गिराया।

गुरुवार सुबह पुलवामा जिले के अवंतीपोरा के नादेर गांव में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच

मुठभेड़ हुई। इस दौरान जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी मारे गए। उनकी पहचान आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है। तीनों पुलवामा जिले के रहने वाले थे।

शोपियां में लश्कर आतंकी मार गिराए

मंगलवार को शोपियां जिले के केलर इलाके में एक ऑपरेशन में तीन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मारे गए थे। इनमें दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई है।

शाहिद कुट्टे ने 2023 में लश्कर जॉइन किया था। वह 8 अप्रैल 2024 को डैनिश रिज़ॉर्ट में विदेशी पर्यटकों पर फायरिंग और मई 2024 में हीरपोरा में भाजपा सरपंच की हत्या में शामिल था। अदनान शफी 2024 में संगठन से जुड़ा था और शोपियां के वाची में एक प्रवासी मज़दूर की हत्या में शामिल रहा। सुरक्षाबलों को मारे गए आतंकियों के पास से तीन AK-47 राइफलें, गोला-बारूद और अन्य हथियार बरामद हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राष्ट्रपति ने जताई आपत्ति

■ पूछा- अदालतों के पास इसका अधिकार है?

नई दिल्ली. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के ऐतिहासिक फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है, जिसमें राज्यपालों और राष्ट्रपति को विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई थी। राष्ट्रपति ने इस फैसले को संवैधानिक मूल्यों और व्यवस्थाओं के विपरीत बताया और इसे संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करार दिया। संविधान की अनुच्छेद 143(1) के तहत राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय से 14 संवैधानिक प्रश्नों पर राय मांगी है। यह प्रावधान बहुत कम उपयोग में आता है, लेकिन केंद्र सरकार और राष्ट्रपति ने इसे इसलिए चुना क्योंकि उन्हें लगता है कि समीक्षा याचिका उसी पीठ के समक्ष जाएगी जिसने मूल निर्णय दिया और सकारात्मक परिणाम की संभावना कम है।

सुप्रीम कोर्ट की जिस पीठ ने फैसला सुनाया था उसमें जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, 'राज्यपाल को किसी विधेयक पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। इस समय सीमा में या तो स्वीकृति दें या पुनर्विचार हेतु लौटा दें। यदि विधानसभा पुनः विधेयक पारित करती है तो राज्यपाल को एक महीने के भीतर उसकी स्वीकृति देनी होगी। यदि कोई विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा गया हो तो राष्ट्रपति को भी तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा।'

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यदि विधेयक तय समय तक लंबित रहे तो उसे 'मंजूरी प्राप्त' माना जाएगा। राष्ट्रपति ने इस अवधारणा को सिरे से खारिज किया और कहा, "मंजूर प्राप्त की अवधारणा संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध है और राष्ट्रपति तथा राज्यपाल की शक्तियों को सीमित करती है।" उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब संविधान स्पष्ट रूप से राष्ट्रपति को किसी विधेयक पर निर्णय लेने का विवेकाधिकार देता है तो फिर सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप कैसे कर सकता है।

राष्ट्रपति ने इस फैसले को संविधान की भावना के प्रतिकूल बताया और कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 में ऐसा कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। राष्ट्रपति ने कहा, "संविधान में राष्ट्रपति या राज्यपाल के विवेकाधीन निर्णय के लिए किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं है। यह निर्णय संविधान के संघीय ढांचे, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्र की सुरक्षा और शक्तियों के पृथक्करण जैसे बहुआयामी विचारों पर आधारित होते हैं।"

तुर्की को सबक सिखाने की तैयारी में भारत

कश्मीर से लेकर दिल्ली तक फैले समझौतों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली. भारत और तुर्की के बीच वर्षों से चल रहे व्यापारिक और रणनीतिक संबंध अब एक नई दिशा की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद केंद्र सरकार ने तुर्की की कंपनियों से जुड़े सभी समझौते और परियोजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। भारत में निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, एविएशन, मेट्रो रेल और आईटी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय तुर्की की कंपनियों की भूमिका को दोबारा परखा जा रहा है। यह कदम तुर्की के कश्मीर मुद्दे पर बार-बार

टिप्पणी और पाकिस्तान के साथ उसकी बढ़ती निकटता के मद्देनजर उठाया गया है।

भारत ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (IBEF) की फरवरी 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में भारत-तुर्की के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। वहीं, अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक भारत में तुर्की से कुल 240.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया है, जिससे तुर्की एफडीआई इक्विटी फ्लो में 45वें स्थान पर रहा।

इन निवेशों का विस्तार गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली जैसे राज्यों तक है। मेट्रो रेल, सुरंग निर्माण, और एयरपोर्ट सेवाओं से लेकर शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई समझौते और साझेदारियां की गई थीं। उदाहरण के तौर पर, 2020 में अटल टनल के इलेक्ट्रोमैकेनिकल हिस्से का कार्य एक तुर्की कंपनी को सौंपा गया था, जबकि 2024 में रेलवे विकास निगम लिमिटेड (RVNL) ने मेट्रो परियोजना के लिए एक तुर्की कंपनी के साथ समझौता किया।

तुर्की के ऑपरेटरों ने की पाकिस्तान की मदद

'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद की घटनाओं ने भारत सरकार को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है। तुर्की ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य ड्रोन उपलब्ध कराए, बल्कि यह भी सामने आया कि तुर्की के ऑपरेटरों ने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों में सहायता की। यह प्रमुख वजह है कि अब सभी तुर्की कंपनियों से जुड़े प्रोजेक्ट्स की गहन समीक्षा की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, ₹सरकार सभी तुर्की परियोजनाओं और समझौतों को फिर से जांच रही है, भले ही वे समाप्त हो चुके हों। हर सौदे और परियोजना का पूरा डेटा इकट्ठा किया जा रहा है।₹

DRDO ने 8 महीने में कर दिया कमाल

समंदर से मीठा पानी निकालने वाली देसी तकनीक तैयार

नई दिल्ली. 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए DRDO ने ऐसा कमाल कर दिखाया है जो देश के तटीय इलाकों और रक्षा क्षेत्र दोनों के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। DRDO की कानपुर स्थित लैब ने महज 8 महीने में एक नैनोपोरस मल्टीलेयर्ड पॉलीमर मेम्ब्रेन तकनीक विकसित की है, जो खारे समुद्री पानी को पीने योग्य मीठे पानी में बदल सकती है। यह तकनीक खास तौर पर भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों के लिए तैयार की गई है।

तटरक्षक जहाजों पर सफल ट्रायल

इस स्वदेशी तकनीक को भारतीय तटरक्षक बल (ICG) के ऑफशोर पेट्रोलिंग वेसल (OPV) पर ट्रायल के लिए लगाया गया है। शुरुआती सुरक्षा और परफॉर्मेंस टेस्ट में यह पूरी तरह सफल रही है। अब 500 घंटे की ऑपरेशनल टेस्टिंग के बाद इसे अंतिम मंजूरी दी जाएगी।

दरअसल, समुद्री पानी में मौजूद क्लोराइड आयन सामान्य झिल्लियों को नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन DRDO की यह नई तकनीक इस असर से पूरी तरह सुरक्षित है। यह तकनीक ना सिर्फ भारतीय तटरक्षक बल के लिए उपयोगी है, बल्कि यह भविष्य में भारत के उन इलाकों के लिए जल जीवन मिशन जैसा वरदान साबित हो सकती है, जहां पानी की भारी किल्लत है। DRDO पहले ही तेजस लड़ाकू विमान, अग्नि-पृथ्वी मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम और आकाश एयर डिफेंस जैसे स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के निर्माण में अग्रणी रहा है।

वक्फ कानून : याचिका पर सुनवाई 20 मई को

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अंतरिम राहत के मुद्दे पर विचार करेंगे

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 20 मई को सुनवाई की जाएगी। CJI बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह ने कहा कि केंद्र और याचिकाकर्ता सोमवार यानी 19 मई तक अपना हलफनामा पेश करें।

केंद्र की और से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने दलीलें पेश कीं। इससे पहले 5 मई को सुनवाई टल गई थी।

बेंच ने कहा कि अंतरिम राहत दिए जाने के मुद्दे पर हम 20 मई को विचार करेंगे। दोनों पक्षों के वकीलों ने कहा था कि याचिकाओं के मुद्दों पर नजर डालने के लिए न्यायाधीशों को कुछ और वक्त की आवश्यकता हो सकती है। केंद्र ने भी कहा कि जब 20 मई को सुप्रीम कोर्ट मामले को सुन रहा है, तब तक कानून के अहम प्रावधान लागू नहीं होंगे, यथा स्थिति बनी रहेगी।

केंद्र ने 25 अप्रैल को दायर हलफनामे में कहा था कि कानून पूरी तरह संवैधानिक है। यह संसद से पास हुआ है, इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए।

नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में ले. कर्नल बनाया

■ धोनी, कपिल और बिंद्रा इसका हिस्सा

भारतीय सेना ने स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी है। नीरज को यह सम्मान खेल में असाधारण योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी कमिटमेंट के लिए दिया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार, 14 मई को इसकी घोषणा की। बयान के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी है। नीरज चोपड़ा पहले भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर थे। उन्हें 2018 में सुबेदार बनाया गया था। नीरज 2016 में भारतीय सेना में नायब सूबेदार के रूप में शामिल हुए थे।

नीरज चोपड़ा से पहले पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी, कपिल देव और अभिनव बिंद्रा जैसे खिलाड़ियों को टेरिटोरियल आर्मी में मानद उपाधि दी जा चुकी है।

नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे

नीरज चोपड़ा शुक्रवार 16 मई को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। नीरज ने पिछले सीजन में 88.36 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया था। वे 2023 में 88.67 मीटर के स्कोर के साथ चैंपियन बने थे। नीरज के अलावा, जेवलिन थ्रोअर किशोर जेना, मिडिल डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह और पारुल चौधरी भी हिस्सा लेंगी।

नीरज चोपड़ा दुनिया के नंबर-2 जेवलिन थ्रोअर हैं। वे भारत की ओर से लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में मेडल जीत चुके हैं।

अर्द्धसैनिक बल है टेरिटोरियल आर्मी

टेरिटोरियल आर्मी एक अर्द्धसैनिक बल है। इसे सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस कहते हैं। यह देश में कई बड़े ऑपरेशनों में काम कर चुकी है। ये युद्ध मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति के जवानों की परछाई बनकर ठीक उनके पीछे मदद के लिए तैयार रहती है। अभी इसके 50 हजार सदस्य हैं, जो 65 विभागीय यूनिट्स (जैसे रेलवे, आईओसी) और गैर विभागीय इन्फेंट्री व इंजीनियर बटालियन में हैं। इनकी ट्रेनिंग सेना की तरह ही होती है।

मंत्री विजय शाह के खिलाफ केस दर्ज

■ HC ने दी थी 4 घंटे की मोहलत

इंदौर. कर्नल सोफिया के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में एमपी हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जबलपुर हाईकोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एमपी के डीजीपी को मंत्री विजय शाह पर बुधवार शाम 6 बजे तक केस दर्ज करने को कहा था। बताया जाता है कि एमपी पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश की प्रति मिलते ही मंत्री विजय शाह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। महू के मानपुर थाने में विजय शाह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

एमपी हाईकोर्ट की डबल बेंच ने बुधवार को विवादित बयान पर संज्ञान लेते हुए एमपी पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के लिए 4

घंटे यानी शाम 6 बजे तक की मोहलत दी थी। हालांकि एफआईआर रात 9:15 बजे हुई। दोपहर को कोर्ट में सुनवाई के बाद ग्रामीण डीआईजी निमेष अग्रवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस इस बारे में आदेश की प्रतीक्षा कर रही है। जैसे ही आदेश मिलेगा, पुलिस केस दर्ज कर लेगी। बताया जाता है कि जैसे ही हाईकोर्ट के आदेश की प्रति पुलिस को मिली उसने मंत्री विजय शाह पर एफआइआर दर्ज कर ली।

मणिपुर के चंदेल में 10 उग्रवादी ढेर

■ 4 जिलों से 7 उग्रवादी भी गिरफ्तार

इंफाल. मणिपुर के चंदेल जिले में गुरुवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। भारत-म्यांमार बॉर्डर पर सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है।

सेना की ईस्टर्न कमान ने बताया- 14 मई को न्यू समताल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधि की जानकारी मिली थी। इसके बाद असम राइफल्स की यूनिट ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान उग्रवादियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में 10 उग्रवादी मारे गए। इनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। इधर, सुरक्षाबलों ने मणिपुर के 4 जिलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां थोउबाल, काकचिंग, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों से हुई हैं।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

ULHASNAGAR MUNICIPAL CORPORATION

सामान्य प्रशासन विभाग, दुसरा मजला, मुख्य प्रशासकीय इमारत, चोपडा कोर्ट रोड,
उल्हासनगर-421003. दुरध्वनी क्र. 0251- 2720116
विस्तार क्र. 208 फॅक्स क्र. 0251-2720104

जा.क्र.उमपा/साप्रवि/मुली/962/25 दिनांक : 15/05/2025

!! जाहिर निविदा सूचना !!

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या विविध विभागाच्या मागणीनुसार बाहयस्त्रोताद्वारे 11 महिन्यांच्या कालावधीकरीता कनिष्ठ अभियंता, कनिष्ठ लिपीक तसेच बहुउद्देशीय-मजूर/हेल्पर/झारीवाले ठेका पध्दतीने उपलब्ध करुन देणेकरीता नोंदणीकृत कंत्राटदार / नोंदणीकृत संस्थेमार्फत इच्छुक ठेकेदार यांच्याकडून ई निविदा पध्दतीने निविदा मागविण्यात येत आहे. सदर निविदा फॉर्म दिनांक 16/05/2025 ते दिनांक 26/05/2025 रोजी दुपारी 3:00 वाजेपर्यंत उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या ई- निविदा संकेतस्थळ https://mahatenders.gov.in अथवा https//www.mahatenders.gov.in येथे उपलब्ध होतील. सदर निविदा पत्रक / निविदा फॉर्म दिनांक 26/05/2025 रोजी दुपारी 3:00 वाजेपर्यंत याच संकेतस्थळावर सादर करावयाचे आहे. इच्छुक कंत्राटदार / नोंदणीकृत संस्था यांना निविदा पत्रक / निविदा फॉर्म फी व निविदा बयाणा रक्कम ऑनलाईन रिसिप्ट सिस्टीमद्वारे भरणा करावी, अन्यथा दरपत्रके / निविदा ग्राहय समजण्यात येणार नाही.

निविदा पूर्व बैठक दिनांक 21/05/2025 रोजी दुपारी 3:00 वाजता मा. अतिरिक्त आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका यांच्या दालनात घेण्यात येईल.

निविदेचा तांत्रिक लिफाफा क्र. 1 दिनांक 27/05/2025 रोजी दुपारी 12.00 वाजता उपस्थित नोंदणीकृत कंत्राटदार / नोंदणीकृत संस्था व त्यांचे प्रतिनिधी यांचे समक्ष ई-टेंडरींग सेल, उल्हासनगर महानगरपालिका, मुख्य कार्यालय, उल्हासनगर 3 येथे उघडण्यात येईल.

मा. प्रशासक तथा आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका यांनी कोणत्याही प्रकारच्या ऑनलाईन निविदा स्विकारणे अथवा नाकारणे याबाबत अंतिम अधिकार राखुन ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	को-या निविदा पत्रकाची किंमत	निविदा बयाणा रक्कम
1	उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या विविध विभागासाठी 11 महिन्यांसाठी कनिष्ठ अभियंता व कनिष्ठ लिपीक तसेच बहुउद्देशीय- मजुर/हेल्पर/झारीवाले ठेका पध्दतीने मनुष्यबळ पुरवठा करणे कामी अभिकर्ता नेमणेबाबत. (किमान वेतन कायद्यानुसार कार्यवाही)	रुपये 1000 + 180 (GST 18%) = रुपये 1180 /-	रुपये 1,70,448/- (अक्षरी रुपये एक लाख सत्तर हजार चारशे अठ्ठेचाळीस रुपये मात्र)

इच्छुक पुरवठादारांनी पुढे नमुद केलेला अनुभव विचारात घेवून प्रती कर्मचारी आपले दर किमान वेतन दर गृहीत धरुन सर्व करांसहित नमुद केलेले असून कंत्राटदाराने सर्विस चार्ज / प्रशासकीय चार्ज नमुद करावेत.

Schedule of Tender

वेळापत्रक :- निविदा प्रक्रियेबाबत वेळापत्रक खालीलप्रमाणे आहे.

Sr. No.	Activities	Start Date & Time Time	Expiry Date & Time
1.	Online Tender Release	16/05/2025	time- 15:00 PM
2.	Online Tender Document Download and Submission	26/05/2025 26/05/2025	time- 15:00 PM time- 16:00PM
3.	Pre-Bid Meeting	21/05/2025	time- 3:00 PM
4.	Online Tender Opening	27/05/2025	time- 16:00PM

1) निविदा पूर्व बैठक (Pre-Bid Conference) दि. 21/05/2025 रोजी दुपारी 12.00 वाजता मा. आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका यांच्या दालनात घेण्यात येईल.
2) प्राप्त निविदांपैकी एक अथवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता नाकारण्याचा अधिकार मा. आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर यांनी राखुन ठेवलेला आहे.
3) निविदा दोन लिफाफा पध्दतीने ऑनलाईन सादर करणे अनिवार्य आहे. तसेच फॉर्म फी परत केली जाणार नाही.
4) निविदा विधी ग्राहयता कालावधी 120 दिवसांचा असेल.

मा. आयुक्त सो. यांच्या मान्यतेने

सही/-
(डॉ. दिपाली चौगले)
उप-आयुक्त (मुख्यालय)
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा / पिआरओ/105/2025
दिनांक : 15/05/2025

संक्षेप...

नाबालिग लड़की लापता, अपहरण का मामला दर्ज

ठाणे. 17 वर्षीय लड़की के 'लापता' होने के बाद पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि लड़की पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे घोड़बंदर इलाके में अपने घर से 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम देखने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी, जिसके बाद उसके माता-पिता ने उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने कहा कि उसका पता नहीं चलने पर माता-पिता ने कासरवडावली थाने में शिकायत दर्ज कराई। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बुधवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

नए सिरे से होगी अक्षय शिंदे मुठभेड़ मामले की जांच

DGP रश्मि शुक्ला ने नई SIT टीम का किया गठन

मुंबई: बदलापुर यौन शोषण मामले में आरोपी की मौत के मामले में अब नए दल का गठन किया जाएगा। महाराष्ट्र पुलिस के महानिदेशक ने बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की हिरासत में मौत की जांच के लिए एक नए विशेष जांच दल का गठन किया है। अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि डीजीपी रश्मि शुक्ला ने खुद उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार नई एसआईटी टीम का गठन किया है।

एसआईटी का नेतृत्व मीरा-भयंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस से संबद्ध अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्ता शिंदे को सौंपा गया है, जो एक उप महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी हैं। एसआईटी दल में पिंपरी चिंचवड़ से एक पुलिस उपायुक्त, एक सहायक पुलिस आयुक्त, दो वरिष्ठ निरीक्षक (जिनमें से एक नवी मुंबई से हैं), दो सहायक पुलिस निरीक्षक, एक उप निरीक्षक और एक सहायक उप निरीक्षक शामिल हैं।

सीआईडी कर रही थी मामले की जांच

अधिकारी ने बताया कि डीसीपी और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के अलावा सभी अधिकारी एमबीवीवी आयुक्तालय से हैं। उन्होंने बताया कि एसआईटी ने अपराध जांच विभाग (CID) से मामले से संबंधित सभी दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए हैं और नए सिरे से इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पहले मामले की जांच सीआईडी कर रही थी।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न मामला

अधिकारी ने बताया कि इससे पहले अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्ता शिंदे ठाणे और नवी मुंबई में काम कर चुके हैं और इस इलाके को अच्छी तरह से जानते हैं। वह पालघर में पुलिस अधीक्षक भी रह चुके हैं। ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो किंडरगार्डन छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे (24) की पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई थी। शिंदे ने 23 सितंबर, 2024 को तलोजा केंद्रीय कारागार से बदलापुर पुलिस थाने ले जाते समय कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीनकर गोलियां चला दीं थी।

नए एसआईटी गठन करने के निर्देश

पुलिस हिरासत में हुई हत्या से शिंदे के परिवार ने बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि यह फर्जी मुठभेड़ थी। चूंकि सीआईडी ने उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया, इसलिए अदालत ने निर्देश दिया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) लखमी गौतम की अध्यक्षता में एक एसआईटी मामले की जांच करे। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने राज्य के डीजीपी को एक नई एसआईटी गठित करने का आदेश दिया। अधिकारी ने बताया कि आदेश में यह भी कहा गया कि नई प्राथमिकी दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि मुंब्रा पुलिस थाने में पहले से ही एक मामला दर्ज है।

के.वी. पेंढरकर कॉलेज पर प्रशासक की नियुक्ति बरकरार

हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

डोंबिवली. शहर स्थित के. वी. पेंढरकर कॉलेज में प्रबंधन के मनमानी रवैये पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने कॉलेज पर प्रशासक नियुक्त किया है.इस नियुक्ति को चुनौती देते हुए संस्था के अध्यक्ष प्रभाकर देसाई और सचिव प्रशांत राव ने मुंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसे उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है.

राज्य सरकार ने 29 अप्रैल को कॉलेज में शिक्षा उप निदेशक डॉ. विजय नारखेडे की प्रशासक के रूप में नियुक्ति की थी. न्यायालय द्वारा इस याचिका को खारिज किए जाने के बाद अब प्रशासक की नियुक्ति वैध मानी गई है. प्रशासक की नियुक्ति से कॉलेज के प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थियों को राहत मिली है. पूर्व प्रबंधन की ओर से प्रशासक को सहयोग नहीं किया जा रहा है.

रजिस्टर देने में टालमटोल की गई और कुछ मामलों में धमकाने की कोशिश भी सामने आई है. मामले को मानपाड़ा पुलिस की मध्यस्थता से संभाला गया है.

कॉलेज की सुरक्षा में लगे गार्ड्स को पूर्व प्रबंधन द्वारा हटा लिया गया है. इसके अलावा, कॉलेज में उपयोग की जा रही कंप्यूटर प्रणाली 'रेसो' को चालू न करने के लिए संबंधित कंपनी को निर्देशित करने का प्रयास किया गया, जबकि प्रशासन ने इसे तुरंत चालू करने की मांग की है. प्रशासक के आदेश पर वर्षभर से वंचित अनुभवी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को फिर से नियुक्त किया गया है और वे अपनी सेवाएं पुनः प्रारंभ कर चुके हैं. आगामी शैक्षणिक वर्ष के प्रवेश कार्य भी तेजी से शुरू हो चुके हैं. प्रशासक नारखेडे के अनुसार, कॉलेज का संपूर्ण प्रशासन अब राज्य सरकार के नियमों के अनुसार संचालित होगा.

विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि सभी कक्षाओं की फीस में 15 से 20 प्रतिशत तक की कटौती की गई है. साथ ही छात्रवृत्ति, फीस माफी जैसी सभी शासकीय योजनाएं अब नियमित रूप से संचालित की जाएंगी. विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय सेवा, पुस्तक भंडार योजना तथा विविध सामाजिक, सांस्कृतिक व वैचारिक गतिविधियां अब कॉलेज प्रशासन की ओर से चलायी जाएंगी.

1 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ

शिवाजी नगर के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक देशमुख गिरफ्तार

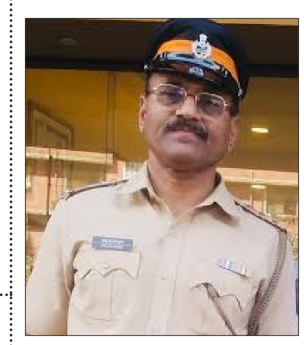

मुंबई. पुलिस बल के भीतर भ्रष्टाचार पर एक बड़ी कार्रवाई में, मुंबई के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के प्रमुख 57 वर्षीय वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बापूराव मधुकर देशमुख को गिरफ्तार किया। उन्हें अपने ही पुलिस स्टेशन में एक स्कूल के ट्रस्टी से 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया।

कथित तौर पर यह राशि 2.5 लाख रुपये की बड़ी रिश्वत का हिस्सा थी, जो उन्होंने कथित तौर पर एक कानूनी मामले में पुलिस सुरक्षा और सहायता प्रदान करने के लिए मांगी थी। एसीबी के मुताबिक, शिकायतकर्ता शिवाजी नगर इलाके में स्थित एक स्कूल का 41 वर्षीय ट्रस्टी है।

यह मामला 15 अगस्त 2024 का है, जब एक समूह ने कथित तौर पर स्कूल के गेट का ताला तोड़ दिया और संपत्ति से जुड़े विवाद को लेकर जबरन परिसर में प्रवेश किया। ट्रस्टी ने शिकायत दर्ज कराने के लिए शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया था और इस मामले को चैरिटी कमिश्नर को भी सौंपा था।

ठाणे शहर में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

पुलिस आयुक्त ने निषेधाज्ञा किया जारी

ठाणे. ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत ड्रोन या अन्य मानव रहित हवाई (यूएवी) की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। शहर में कुछ शरारती तत्वों द्वारा इन उपकरणों का उपयोग किए जाने की संभावना को देखते हुए, कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक शांति को भंग होने से रोकने के लिए यह निवारक कदम उठाया गया है।ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। इस आदेश के अनुसार, ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को ड्रोन या इसी तरह के उपकरण उड़ाने

की अनुमति नहीं दी जाएगी।यह आदेश 14 मई से प्रभावी हो गया है यह 3 जून 2025 तक लागू रहेगा।इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह भी कहा गया है कि स्थिति की गंभीरता और तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए यह आदेश तत्काल लागू किया गया है।यह आदेश पुलिस उपायुक्त मुख्यालय विशेष शाखा डॉ. श्रीकांत परोपकारी ने जारी किया है।

ऑटोरिक्शा मीटर के रिकलीब्रेशन के लिए 31 मई तक समय

ठाणे. मुंबई आरटीओ परिवहन कार्यालय की 23 जनवरी 2025 को हुई बैठक में मुंबई आरटीओ परिवहन प्राधिकरण क्षेत्र में काली-पीली मीटर टैक्सी और ऑटोरिक्शा का किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। यह संशोधित किराया वृद्धि के अनुसार मीटर वाली टैक्सियों और ऑटोरिक्शा के किराया मीटरों के पुनर्मूल्यांकन का कार्य अभी भी लंबित है। इसलिए 30 अप्रैल 2025 को मुंबई महानगर आरटीओ परिवहन प्राधिकरण की बैठक में टैक्सी,ऑटोरिक्शा किराया मीटरों के पुनर्मूल्यांकन की समय सीमा 31 मई 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।ठाणे के उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने सभी मीटर वाले टैक्सी और ऑटोरिक्शा चालकों से आवाहन किया कि वह 500 रुपये का विभागीय जुर्माना लगाने के निर्णय पर ध्यान दें।

ठाणे में सैन्य बच्चों का छात्रावास व भूतपूर्व सैनिक विश्राम गृह स्टाफ भर्ती

ठाणे. जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दो प्रतिष्ठान, अर्थात् सैनिक बाल छात्रावास ठाणे और पूर्व सैनिक विश्राम गृह धर्मवीरनगर नौपाड़ा में स्थित हैं।शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए पूर्व सैनिकों और नागरिक श्रेणियों से कर्मचारियों की भर्ती करेंगे।छात्रावास के लिए भरे जाने वाले पद सहायक छात्रावास अधीक्षक 1, चौकीदार1, रसोइया 3, सफाई कर्मचारी 1।रेस्ट हाउस के लिए भरे जाने वाले पद रिसेप्शन असिस्टेंट 1, चौकीदार1, सफाई कर्मचारी 1, माली 1।यह नियुक्तियां सैनिक कल्याण विभाग महाराष्ट्र सरकार पुणे द्वारा समय-समय पर निर्धारित समेकित वेतन पर गैर-सरकारी संवर्ग से संविदा के आधार पर की जाएंगी।सिविल अभ्यर्थियों को आवेदन के साथ शैक्षिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, अनुभव प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। भूतपूर्व सैनिक श्रेणी से संबंधित अभ्यर्थियों को उल्लिखित दस्तावेजों के साथ जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा जारी पहचान पत्र, डिस्चार्ज बुक,सेवा विवरण की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।आवेदन प्राप्त करने और जमा करने का पता 1 सैनिक बाल छात्रावास ठाणे धर्मवीरनगर, नौपाड़ा ठाणे (पश्चिम)400604 और 2। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रु.नं. 402 जिलाधिकारी कार्यालय कोर्ट नाका, ठाणे (पश्चिम)400601 केवल सोमवार से शुक्रवार।सेवा नियम मानदेय आदि की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें मो. 9769664830 (छात्रावास), 9246624105 (अधीक्षक)।आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 8 जून 2025 है और चयन प्रक्रिया साक्षात्कार 10 और 11 जून 2025 मंगलवार और बुधवार को सुबह 11 बजे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय ठाणे में आयोजित किए जाएंगे। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ठाणे पालघर मेजर प्रांजल जाधव ने बताया कि आवेदन कर्ता को उनके साक्षात्कार की तिथि के बारे में मोबाइल फोन के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

कंटेनर से कुचल कर राहगीर की दर्दनाक मौत, ड्राइवर फरार

भिवंडी. मुंबई नासिक हाइवे पर ठाणे की ओर तेजी से आ रहे एक कंटेनर ने राजमार्ग दिवा गांव की सीमा में एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी.सड़क हादसे में पैदल यात्री समाधान लक्ष्मण टोंडे की ट्रक के नीचे कुचलकर की मौत हो गई.नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.पुलिस के अनुसार, समाधान सुबह 4 बजे मुंबई नासिक हाईवे पर हाईवे की लाइटों के बीच पैदल जा रहा था, तभी तेज गति से ठाणे की ओर जा रहे कंटेनर चालक ने ट्रक को लापरवाही से चलाया और मानकोली ब्रिज के पास उसे टक्कर मार दी. हादसे में ट्रक का अगला पहिया समाधान के चेहरे पर चढ़ जाने से वह कुचल गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. नारपोली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल भेज दिया.

नागलाबंदर में अवैध निर्माण कार्य पर कार्रवाई

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत घोड़बंदर स्थित नागलाबंदर खाड़ी तट को विकसित करने के लिए सरकारी निधि के तहत नौसेना केंद्र की प्रतिकृति का निर्माण करने का प्रस्ताव है।इसको देखते हुए मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार अतिक्रमण विभाग ने नागलाबंदर खाड़ी के तटीय क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित व्यावसायिक दुकान,आवासीय घर और टेंट आदि को पूरी तरह से हटाने की कार्रवाई की गई।उक्त कार्रवाई प्रस्तावित करने से पहले, इस स्थान पर अनधिकृत आवासीय घरों में रहने वाले निवासियों को भायंदरपाड़ा स्थित मनपा फ्लैटों में पुनर्वसीत किया गया था। इस क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण को पूरी तरह से हटाने की कार्रवाई की गई।उक्त कार्रवाई उपायुक्त शंकर पटोले, माजीवाड़ा मानपाड़ा प्रभाग समिति सहायक आयुक्त सोनल काले, कार्यकारी अभियंता महेश अमृतकर, एमएसएफ कर्मियों और पुलिस की देखरेख में की गई।

कांग्रेस 21 मई को महाराष्ट्र में निकालेगी 'तिरंगा यात्रा'

मुंब. कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने और महात्मा गांधी एवं पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों सहित सभी ''शहीदों'' के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई को महाराष्ट्र में 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन करेगी।

मतिमंद बच्ची के लैंगिक अत्याचार

कल्याण. कल्याण के पास मोहने गाले गांव परिसर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. जहां एक 15 वर्षीय नाबालिग मतिमंद लड़की के साथ उसी इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने लैंगिक अत्याचार किया टिटवाला पुलिस ने इस मामले में आरोपी सुनील पवार को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी को गुरुवार को कल्याण अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है.

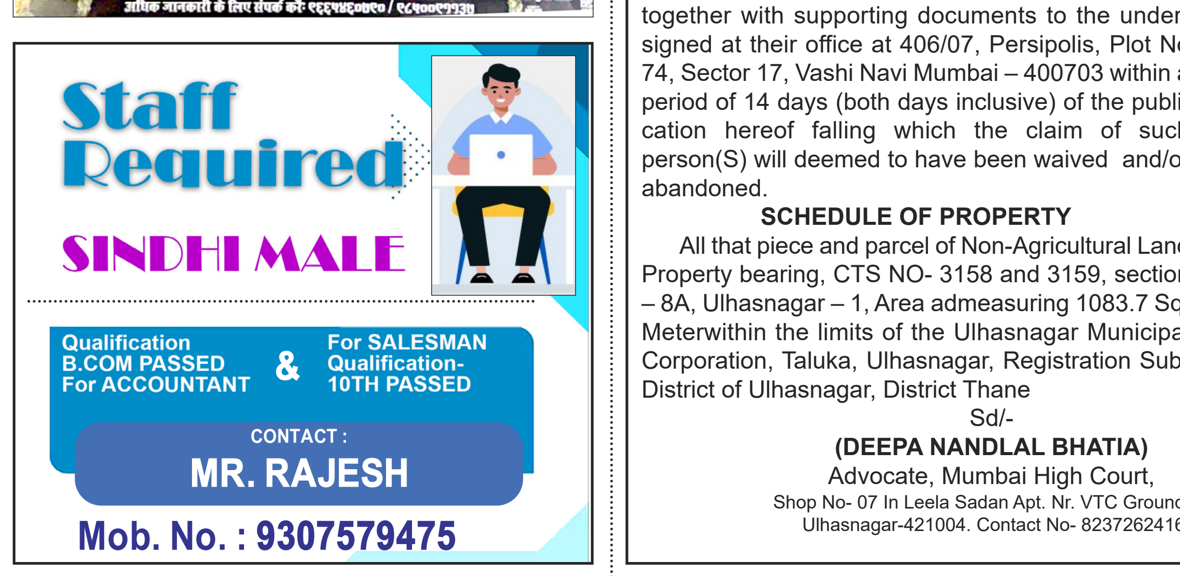

PUBLIC NOTICE

"NOTICE" is hereby given to the public at large informing that GURUKRIPA ENTERPRISES, a registered partnership firm, having its registered office at Block No A/48, Room No 288, Rajlaxmi Society, Ulhasnagar – 421002 entered into agreement with my client SHIVASA REALTY LLP, A Limited Partnership Firm having its registered office at 406/7, Persipolis, Plot No 74, Sector 17, Vashi Navi Mumbai – 400703, through its Designated Partner Shri Abhishek S Asrani, For the Development of property known as CTS NO- 3158 and 3159, section – 8A, Ulhasnagar – 1, Area admeasuring 1083.7 Sq. Metermore, particularly mentioned in the schedule

Therefore any person (s) having any claim in respect of the above referred properly or part thereof by way of sale, exchange, Mortage, charge, gift, Maintenance, inheritance, possession, lease, tenancy, sub -tenancy, lien , license, hypothecation, transfer of title or beneficial interest under any trust right of prescription or pre- emptionor under any Agreement or other disposition or under any decree, order or Awardor otherwise claiming , howsoever, are hereby requested to make the same known in writing together with supporting documents to the undersigned at their office at 406/07, Persipolis, Plot No 74, Sector 17, Vashi Navi Mumbai – 400703 within a period of 14 days (both days inclusive) of the publication hereof falling which the claim of such person(S) will deemed to have been waived and/or abandoned.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that piece and parcel of Non-Agricultural Land Property bearing, CTS NO- 3158 and 3159, section – 8A, Ulhasnagar – 1, Area admeasuring 1083.7 Sq. Meterwithin the limits of the Ulhasnagar Municipal Corporation, Taluka, Ulhasnagar, Registration Sub-District of Ulhasnagar, District Thane

Sd/-
(DEEPA NANDLAL BHATIA)
Advocate, Mumbai High Court,
Shop No- 07 In Leela Sadan Apt. Nr. VTC Ground, Ulhasnagar-421004. Contact No- 8237262416.

हिना खान बनीं कोरिया टूरिज्म की ब्रांड एम्बेसडर

टीवी से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक अपनी दमदार और अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस हिना खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हमेशा फैंस को अपनी लाइफ से जुड़ी हर अपडेट देने वाली एक्ट्रेस ने इस बार अपनी नई उपलब्धि के बारे में जानकारी दी है। हिना खान को कोरिया टूरिज्म का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। ये एक्ट्रेस के लिए गर्व की बात है। हिना खान ने कई तस्वीरों के साथ पोस्ट शेयर कर इस बारे में जानकारी दी है।

हिना खान ने कई तस्वीरों के साथ ये खबर अपने फैंस के साथ शेयर करते हुए लिखा है, "कोरिया टूरिज्म का ब्रांड एम्बेसडर बनना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है।

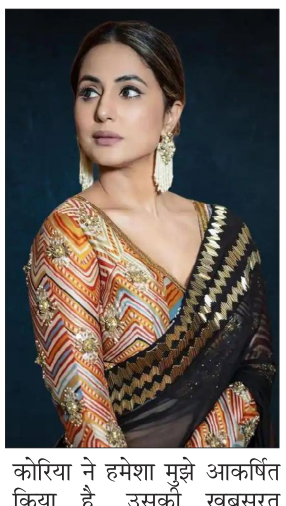

कोरिया ने हमेशा मुझे आकर्षित किया है, उसकी खूबसूरत वादियां, समृद्ध संस्कृति और K-ड्रामा व K-पॉप की ग्लोबल पॉपुलैरिटी। मैं बेहद उत्साहित हूं कि मैं अपनी ऑडियंस के साथ कोरिया की इस खूबसूरत जर्नी को शेयर कर पा रही हूं।"

एक्ट्रेस से शेयर की साउथ कोरिया से तस्वीरें

ब्रांड एम्बेसडर बनने के बाद हिना हाल ही में साउथ कोरिया की जर्नी पर भी गईं, जहां उन्होंने वहां की विरासत पॉपुलर जगहों, लोकल खाने और मॉडर्न लाइफस्टाइल का अनुभव किया। उन्होंने अपनी ट्रिप के कई हिस्सों को इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया, जिसे देखकर उनके फैंस खासे एक्साइटेड नजर आए। कोरिया टूरिज्म का मानना है कि हिना खान की पॉपुलैरिटी और उनके प्रभावशाली सोशल मीडिया कनेक्शन के जरिए साउथ कोरिया को एक ट्रैवल डेस्टिनेशन के तौर पर भारतीयों के बीच और पॉपुलर बनाया जा सकता है।

ब्रैस्ट कैंसर से लड़ रही हैं जंग

बता दें, हिना खान स्टेज 3 के ब्रैस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस लगातार अपने पोस्ट के जरिए फैंस को इस बीमारी के खिलाफ लड़ने के लिए प्रोत्साहित करती देखी गई हैं। इसके साथ ही वो लोगों से अपील करती दिखीं हैं कि अपनी हेल्थ को सबसे उपर रखें। हिना को देश दुनिया से लगातार दुआएं मिल रही हैं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099